तीव्र गर्जन एवं वज्रपात के दौरान क्या करें, क्या ना करें।

पहले और दौरान

- आकाश में छाये बादलों एवं हवा पर नजर रखें। तीव्र गर्जन सुनने पर सुरक्षित स्थान पर आश्रय लें।
- बिजली गर्जन के समय पेड़ों, टिन/धातु की छतों के नीचे व पासमें शरण न लें। समुचित दूरी रखें और भीड़ में खड़े होने से बचे।
- गड़गड़ाहट के अंतिम गर्जन के बाद कम से कम 30 मिनट के लिए गतिविधियों को स्थगित करें।
- स्थानीय मीडिया द्वारा जारी सूचना, चेतावनी एवं निर्देशों का पालन करें।
- बाहरी गतिविधियों को स्थगित करें। बच्चों, बुजुर्गों, गर्भवती महिलाओं और जानवरों के लिए भी सुरक्षित स्थान सुनिश्चित करें।
- सभी विद्युतीय उपकरणों को बंद करें और धातु के पाइप में विद्युत, कॉर्डेड टेलीफोन उपकरणों, उपयोगिता लाइनों, तारों और बहते पानी के संपर्क से बचें।
- धात्विक ध्वज के पोस्ट, धातु पाइप या ऊर्ध्वाधर पाईप के करीब न जाएं।
- कंक्रीट के फर्श पर न लेटे व दीवार के साथ सटकर न खडें हों। इसके स्थान पर पैरों के मध्य सिर को रखकर अपने आप को छोटा बनाकर पंजों के बल बैठें।
- पेड़, जो इमारत की सुरक्षा के लिए खतरनाक हो सकते हैं, इनकी कटाई व छंटाई करें।
- छत पर विद्युत सुरक्षा प्रणाली स्थापित करें।
- बरामदे, कांच की खिड़कियों और दरवाजों से दूर रहें।
- बैटरी संचालित रेडियो का उपयोग करें और अपने मोबाइल फोन को चार्ज रखें।
- यदि आप एक बंद वाहन में है तो सडक किनारे सुरक्षित स्थान पर वाहन रोककर उसके अन्दर ही रहें।
- तरणताल, झीलें, जल निकायों, नावें आदि में होने पर पानी से तुरन्त बाहर निकलकर सुरक्षित आश्रय पर पहुँचें।
- पहाड़ी, खुले खेतों और समुद्र तटों से बचें व मोबाईल का प्रयोग न करें।
- भारत सरकार की दामिनी विद्युत सचेत एप का प्रयोग करें।

उपरांत

- जानकारी और निर्देशों के लिए स्थानीय रेडियो, टेलीविजन, संचार के साधनों को सुनना जारी रखें।
- क्षतिग्रस्त/गिरे हुए बिजली के खंभे, डूबे हुए बिजली के तारों से दूर रहें और तुरंत नजदीकी विद्युत स्टेशन या पुलिस स्टेशन को सूचित करें।
- यदि संभव हो, तो घायल व्यक्ति को प्राथमिक चिकित्सा दें। जरूरत पड़ने पर उसे नजदीकी अस्पताल ले जाएं। आवश्यकता हो तो CPR (कार्डियो पल्मोनरी रिससिटेशन) दें।
- उन लोगों की मदद करें जिन्हें सबसे अधिक आवश्यकता हो, जैसे कि शिशु, बच्चे, बुजूर्ग, गर्भवती महिलाएं, विकलांग, जानवर आदि।